हरिभूमि
महासमुंद भूमि
रायपुर, रविवार 26 अप्रैल 2026

तापमान

अधिकतम 41.2 डिग्री

न्यूनतम 26.6 डिग्री

14 छात्राओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राज्यपाल..

14 ग्रॉफ्टेड टमाटर की खेती से दुबेलाल ...

खबर संक्षेप

बाइक सवारों से गांजा बरामद

महासमुंद। ग्राम साल्हेझरिया नाका के पास बसना पुलिस ने बाइक सवारों के कब्जे से गांजा बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि 24 अप्रैल को ग्राम साल्हेझरिया नाका में वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक मोटर सायकल में दो व्यक्ति एक बैग में कुछ संदिग्ध सामान लाते दिखा और पुलिस को देखकर हड़बड़ाकर मोटर सायकल को मोड़कर भागने का प्रयास करने लगे, जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में वाहन चालक ने अपना नाम मनोज साहू पिता बिशीकेशन साहू (26 साल) ठाकुरदिया डाभा थाना झारबंद जिला बरगढ़ ओडिशा, और पीछे बैठे व्यक्ति ने अपना नाम सुनील बाग पिता महेंद्र बाग (22 साल) ठाकुरदियाडाभा थाना झारबंद जिला बरगढ़ ओडिशा होना बताया। इस दौरान आरोपियों के कब्जे से 1.080 किग्रा गांजा कीमती 54,000 रुपए और बाइक कीमत 30,000 रुपए कुल 84,000 रुपए को बरामद किया गया। मामले में आरोपियों के विरूद्ध धारा 20 (ख) नारकोटिक एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

अज्ञात वाहन की टक्कर से पैदल जा रहे बुजुर्ग की मौत

महासमुंद। ग्राम बोड़ेसरा के छोटे नाला के पास अज्ञात बाइक की टक्कर से पैदल जा रहे बुजुर्ग की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि 23 अप्रैल की करीबन 07 बजे हुकुम पटेल पिता रामसाय पटेल (62 वर्ष) निवासी बोड़ेसरा अपनी बाड़ी से घर की ओर पैदल जा रहा था। जब वह छोटे नाला के पास पहुंचा था, तभी सारंगढ़ की ओर जा रहे अज्ञात मोटर सायकल के चालक द्वारा अपने वाहन को तेज एवं लापरवाही पूर्वक चलाकर हुकुम पटेल को पीछे से ठोकर मारकर एक्सीडेंट कर दिया, घटना में हुकुम पटेल को गंभीर चोटें आई और जिसे सरायपाली के निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया, जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

खेतों में लहलहा रही ग्रीष्मकालीन धान की फसल, कटाई की तैयारी

ग्रीष्मकाल में गांव-गांव में छाई हरियाली, खेतों का दृश्य मनमोहक नजर आ रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

क्षेत्र में इस वर्ष रबी फसल की स्थिति उत्साहजनक बनी हुई है। खेतों में धान की बालियां निकलने लगी हैं, जिससे किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। अनुकूल मौसम और समय पर हुई सिंचाई के कारण फसल का विकास बेहतर ढंग से हो रहा है। गांव-गांव में हरियाली छाई हुई है और खेतों का दृश्य मनमोहक नजर आ रहा है।

किसानों का कहना है कि इस बार मौसम ने उनका भरपूर साथ दिया है। पर्याप्त पानी और संतुलित तापमान के चलते धान की फसल स्वस्थ और मजबूत दिखाई दे रही है। बालियां निकलने के साथ ही अच्छी पैदावार की उम्मीद भी बढ़ गई है, जिससे किसानों में खुशी का माहौल है। कई किसान इस बार पिछले वर्षों की तुलना में अधिक उत्पादन की उम्मीद जता रहे हैं।

किसानों ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों की तुलना में इस बार फसल की स्थिति काफी बेहतर है। उन्नत बीजों के उपयोग, आधुनिक कृषि तकनीकों और समय पर खाद-बीज की उपलब्धता ने भी फसल की गुणवत्ता में सुधार किया है। यदि मौसम इसी तरह अनुकूल बना रहा, तो उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। इससे न केवल किसानों की आय बढ़ेगी, बल्कि क्षेत्र की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी।

फसलों का निगरानी करें किसान

कृषि विभाग के अधिकारियों ने भी फसल की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया है। अधिकारियों का कहना है कि किसानों को फसल की निरंतर निगरानी करनी चाहिए और किसी भी प्रकार के रोग या कीट लगने की स्थिति में तुरंत उपाय अपनाना चाहिए। कीट रोग लगने पर कृषि अधिकारियों से सलाह पर तत्काल दवाओं का छिड़काव करें।

उत्पादन अच्छा तो बाजार में बढ़ेगी आवक

वही स्थानीय बाजारों में भी फसल को लेकर सकारात्मक माहौल देखने को मिल रहा है। व्यापारी वर्ग का मानना है कि यदि उत्पादन अच्छा रहा, तो बाजार में आवक बढ़ेगी और व्यापार को भी गति मिलेगी। कुल मिलाकर, क्षेत्र में रबी फसल की इस सकारात्मक स्थिति ने किसानों के बीच उम्मीद और उत्साह का नया संचार किया है। आने वाले दिनों में यदि मौसम का साथ बना रहा, तो यह फसल किसानों के लिए समृद्धि का नया द्वार खोल सकती है।

तैयारी : आगामी शैक्षणिक सत्र में अध्ययन-अध्यापन पर विशेष ध्यान पर जोर

शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने जुटा विभाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

जिले में आगामी शिक्षा व्यवस्था को दुरूस्त करने विभाग अभी से तैयारी में जुट गया है। बच्चों में कक्षा एवं विषयानुसार दक्षता विकसित करने तथा आगामी शैक्षणिक सत्र में अध्ययन-अध्यापन पर विशेष ध्यान पर जोर दिया। जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे की अध्यक्षता में आयोजित विकासखंड शिक्षा अधिकारियों एवं विकासखंड स्त्रोत समन्वयकों की आवश्यक बैठक हुई। जिसमें सुशासन तिहार की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही विभिन्न विभागीय योजनाओं की गहन समीक्षा भी की गई।

बैठक में उपस्थित ज्वाइन डायरेक्टर रायपुर संजीव कुमार श्रीवास्तव ने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि सभी का प्रमुख उद्देश्य बच्चों की गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई सुनिश्चित करना होना चाहिए। उन्होंने निर्देशित किया कि बच्चों में कक्षा एवं विषयानुसार दक्षता विकसित की जाए तथा आगामी शैक्षणिक सत्र में अध्ययन-अध्यापन पर विशेष ध्यान दिया जाए। जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे एवं जिला मिशन समन्वयक रेखराज शर्मा ने डीप अकाउंट एवं इनएक्टिव अकाउंट को 30 अप्रैल तक पूर्ण रूप से क्लियर करने के निर्देश दिए। अपार आईडी में प्रगति लाने के लिए जिन विद्यार्थियों का आधार कार्ड नहीं बना है, उनके पालकों को प्रेरित कर शीघ्र आधार कार्ड बनवाने तथा स्कूल में प्रविष्टि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही आधार में आवश्यक सुधार एवं एमबीयू कार्य शीघ्र पूर्ण करने को कहा गया। बैठक में आई गोट कर्मयोगी पोर्टल पर सभी शिक्षा विभाग के कर्मचारी की ऑनबोर्डिंग एवं कोर्स पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को सेवा पुस्तिका, पासबुक एवं कार्यालयीन अभिलेख अद्यतन रखने के लिए निर्देशित किया गया।

स्कूला में पेयजल सुविधाओं के लिए मांगा मांग पत्र

विद्यालयों में अनिवार्य पेयजल सुविधा सुनिश्चित करने के लिए शीघ्र मांग पत्र प्रस्तुत करने, तथा निःशुल्क पाठ्यपुस्तक एवं गणवेश हेतु सटीक संख्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए, ताकि सत्र प्रारंभ होने से पूर्व ही सामग्री विद्यालयों तक पहुंचाई जा सके। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों के जाति, आय एवं निवास प्रमाण पत्र के लिए विशेष अभियान चलाकर पालकों को जागरूक करने, तथा cgschool.in पोर्टल में मूलभूत जानकारी दर्ज करने के निर्देश दिए गए। लंबे समय से अनुपस्थित कर्मचारियों की जानकारी शीघ्र उपलब्ध कराने को भी कहा गया।

बोर्ड की मान्यता अनुसार चलेंगी पुस्तकें

अशासकीय विद्यालयों के संबंध में निर्देशित किया गया कि संबंधित बोर्ड की मान्यता अनुसार ही पुस्तकें संचालित की जाएं। यदि विद्यालय सीबीएसई से संबद्ध है तो एनसीईआरटी की पुस्तकें तथा छत्तीसगढ़ बोर्ड से संबद्ध विद्यालयों में छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम की पुस्तकें ही लागू हों। साथ ही शुल्क वृद्धि शुल्क विनियमन अधिनियम 2020 के तहत समिति की अनुशंसा के पश्चात ही करने कहा गया। इस संबंध में जिले के समस्त अशासकीय विद्यालयों के नोडल प्राचार्यों को निर्देशित किया गया कि वे 27 अप्रैल (सोमवार) को संस्था प्रमुखों की बैठक आयोजित कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने कहा गया है।

समाज में मिलाने के नाम पर उगाही, चार पर एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

■ मामला बसना थाना क्षेत्र के ग्राम बड़ेढाबा का, रिपोर्ट दर्ज

ग्राम बढ़ेडाभा में एक परिवार को समाज में मिलाने के नाम पर उगाही, डराने धमकाने, सामाजिक बहिष्कार की धमकी के मामले में चार आरोपियों के विरूद्ध बसना थाना में जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। मामले को लेकर बड़ेडाभा निवासी मनोज पटेल ने कराए गए एफआईआर में पुलिस को बताया कि उसकी दीदी गायत्री पटेल का पारिवारिक विवाद चल रहा है, जिस कारण से उसे एवं मेरे पूरे परिवार को हमारे समाज के पदाधिकारी जयदेव पटेल, सुंदरलाल पटेल, सिया पटेल, उद्धव पटेल द्वारा समाज में मिलाने के नाम पर डरा धमका कर पैसे की उगाही एवं दंड अधिरोपित किया गया है। प्रार्थी ने पुलिस को बताया कि उसकी दीदी गायत्री पटेल का शादी ग्राम बडेटेमरी के मुरलीधर पटेल पिता गजलाल पटेल के साथ हुआ था, जिनका पारिवारिक विवाद चल रहा है। जिसमें समाज (मरार) के सदस्य जयदेव पटेल, सुंदरलाल पटेल, सिया पटेल, उद्धव पटेल को मध्यस्थता कर समाधान के लिए कहा गया था। जिस पर सामाजिक पदाधिकारियों ने उससे कहा कि मीटिंग के लिए 6500 रुपए देना पड़ेगा, नहीं तो समाज में नहीं मिल पाओगे। इस पर उसने 27.02.2024 को मीटिंग के लिए 6500 रुपए सुंदरलाल पटेल को दिया था, उस मीटिंग में उन चारों लोगों ने कोई निर्णय नहीं किया और जानबूझकर उसे और उसके परिवार के सदस्यों को समाज से बहिष्कृत कर दिए। जिस पर उसने उन लोगों से लगातार कहा कि उसे और उसके परिवार के सदस्यों को समाज में मिला लिया जाए। जिस पर उन चारों में कहा कि 6000 रुपए और देना पड़ेगा, तब मीटिंग कर समाज में मिलाएंगे।

प्रार्थी ने बताया कि डर के कारण और समाज में मिलकर रहने की मंशा से उसने व्यवस्था कर सामाजिक मीटिंग के लिए 6000 रुपए देकर 22 अप्रैल को सामाजिक बैठक कराया जिसमें जयदेव पटेल, सुंदरलाल पटेल, सिया पटेल, उद्धव पटेल ने सामाजिक भवन बंसुला में बैठक कर कहा अभी कोई निर्णय नहीं होगा कहते हुए उसके ऊपर 2100 रुपए का दंड अधिरोपित कर दिया और समाज में मिलाने के लिए महासभा करने की बात कहते हुए 9500 रुपए और देने की बात कही।

प्रार्थी ने जब इस संबंध में सामाजिक महासभा के सचिव दीनबंधु नायक से बात की तो महासभा के सचिव ने कहा कि यदि महासभा करना था तो समाज के जयदेव पटेल, सुंदरलाल पटेल, सिया पटेल, उद्धव पटेल द्वारा बार-बार मीटिंग की बात पर पैसा लेना गलत है, उन्हें वहां मीटिंग के नाम पर पैसे की उगाही नहीं करनी चाहिए। साथ ही सामाजिक महासभा के सचिव ने प्रार्थी को कानूनी कार्रवाई की सलाह दी। मामले की रिपोर्ट पर उक्त चार आरोपियों के विरूद्ध बसना थाने में धारा 3(5), 308(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

पैसा वसूलने गए टीम लीडर से मारपीट

महासमुंद। कलेक्शन का पैसा वसूलने गए एक कंपनी के टीम लीडर के साथ दो लोगों ने मारपीट कर दी। मामला ग्राम सानटेमरी का है। घटना की रिपोर्ट पर सांकरा थाने में आरोपियों के विरूद्ध मामला दर्ज किया गया है। पुलिस को प्रार्थी अमित कुमार चंद्राकर ने बताया कि वह मनबा कंपनी में टीम लीडर के पद पर पदस्थ है। 24 अप्रैल को मनबा कंपनी के मैनेजर विकास श्रीवास्तव के साथ सांकरा पैसा कलेक्शन के लिए गया था। सांकरा क्षेत्र में पैसा कलेक्शन का काम ग्राम सानटेमरी का टिकेशवर मलिक देखता है, जो तीन दिन के कलेक्शन का पैसा मनबा कंपनी में जमा न कर अपने पास रखा हुआ था, जिसे फोन कर सांकरा बुलाया गया था, लेकिन सांकरा आने में टालमटोल कर रहा था। बाद में टिकेश्वर मलिक के द्वारा दोपहर करीबन 02 बजे फोन कर ग्राम सानटेमरी अपने घर बुलाया। जिस पर वह, विकास श्रीवास्तव एवं निरंजन सागर कार से गये। प्रार्थी ने बताया कि गली बस्ती से आगे सरीफाबाद वाले रोड में कार को देख कर उनके पास टिकेश्वर मलिक व समीर नंद आए और हमारे गांव में कैसे आये हो कहकर गाली गलौज करने लगे। वहीं जान से मारने की धमकी देते हुए प्रार्थी के साथ टिकेश्वर मलिक ने हाथ मुक्का एवं समीर नंद के द्वारा डंडे से मारपीट किया गया। मामले की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध धारा 115(2), 296, 3(5), 351(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

जब कानून बन चुका है तो लागू करने में देरी क्यों : द्वारिकाधीश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिला स्तर पर आयोजित प्रेसवार्ता में महिला आरक्षण के मुद्दे पर केंद्र सरकार की नीतियों का विरोध किया गया। इस दौरान बिलाईगढ़ की कांग्रेस विधायक कविता प्राण लहरे एवं कांग्रेस जिला अध्यक्ष व खल्लारी विधायक द्वारिकाधीश यादव ने संयुक्त रूप से भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए।प्रेस वार्ता का मुख्य विषय महिला आरक्षण के संबंध में केंद्र सरकार की नीतियों का विरोध रहा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री से लेकर भाजपा के शीर्ष नेता महिला आरक्षण को लेकर भ्रम फैला रहे हैं, जबकि नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 संसद के दोनों सदनों से पारित होकर राष्ट्रपति की मंजूरी भी प्राप्त कर चुका है और यह कानून बन चुका है। विधायक कविता प्राण लहरे ने कहा कि महिलाओं को उनका हक देने में भाजपा सरकार जानबूझकर देरी कर रही है। यदि सरकार चाहती तो महिला आरक्षण

तत्काल लागू किया जा सकता है, लेकिन इसे परिसीमन और जनगणना से जोड़कर टाला जा रहा है। वहीं विधायक द्वारकाधीश यादव ने सवाल उठाया कि जब कानून बन चुका है तो इसे लागू करने में देरी क्यों की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा महिला आरक्षण को मुद्दा बनाकर केवल राजनीतिक लाभ लेना चाहती है। कांग्रेस नेताओं ने यह भी कहा कि 16 अप्रैल 2026 को संसद में पेश 131 वें संविधान संशोधन विधेयक में महिला आरक्षण का स्पष्ट उल्लेख नहीं था, बल्कि लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव था। इसके तहत लोकसभा सीटों को 850 करने, राज्यों में 815 और केंद्र शासित प्रदेशों में 35 सीटें तय करने की बात कही गई। उन्होंने कहा कि परिसीमन के लिए 2011 की जनगणना को आधार बनाया जा रहा है, जबकि केंद्र सरकार स्वयं 2026-27 में नई जनगणना और जातिगत जनगणना की बात कर रही है। ऐसे में पुराने आंकड़ों के आधार पर निर्णय लेना तर्कसंगत नहीं है। कांग्रेस ने केंद्र सरकार से मांग की है कि महिला आरक्षण कानून को बिना किसी देरी के लागू किया जाए, ताकि महिलाओं को राजनीति में उचित और प्रभावी प्रतिनिधित्व मिल सके। इस दौरान पूर्व विधायक विनोद चंद्राकर, शहर ब्लाक अध्यक्ष गुरमीत चावला, आलोक चंद्राकर, लक्ष्मण पटेल, राशि महिलांग आदि उपस्थित थे।

गुजरात के गांधीनगर में पैरा एथलेटिक्स ट्रॉयल का आयोजन किया गया

साई पैरा एथलेटिक्स चयन ट्रायल में 4 खिलाड़ी हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) द्वारा पैरा एथलेटिक्स चयन ट्रायल फॉर इंडक्शन फॉर एनसीओई गांधीनगर 2026-27 का आयोजन 23 से 25 अप्रैल 2026 तक नेताजी सुभाष वेस्टर्न रीजनल सेंटर, सेक्टर 15, गांधीनगर गुजरात में आयोजित किया गया, जिसमें महासमुंद जिले से 04 खिलाड़ी शामिल हुए। चयन ट्रायल में 15 वर्ष से 25 वर्ष के बालक एवं बालिका खिलाड़ियों को शामिल किया गया। जिन्होंने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भागीदारी करने वाले खिलाड़ी, राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता एवं खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025-26 में प्रथम स्थान से चतुर्थ स्थान प्राप्त किया हो एवं वर्तमान वर्ल्ड रैंकिंग में आठवें स्थान तक आने वाले खिलाड़ियों को सभी कैटेगरी में शामिल किया गया।

महासमुंद जिले के अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स खिलाड़ी लक्की यादव, ईश्वरी निषाद एवं राष्ट्रीय पैरा खिलाड़ी नोशन पटेल तथा देव मोती साव शामिल हुए। खिलाड़ियों के साथ कोच निरंजन साहू गाईड रनर प्रशांत निषाद एवं नइमिस सिदार के मार्गदर्शन में शामिल हुए। इन खिलाड़ियों को समाज सेवी संस्था फॉर्चून फाउंडेशन करमापटपर बागबाहरा खुर्द विकासखंड बागबाहरा द्वारा दिव्यांग/पैरा एथलेटिक्स खिलाड़ियों के खेल स्पर्धा निखारने हेतु निरंतर कार्यरत हैं। खिलाड़ियों द्वारा लगातार राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियां हासिल किया जा रहा हैं। इस चयन ट्रायल के माध्यम से चयनित खिलाड़ियों को विश्व स्तर की प्रशिक्षण की सुविधा दी जाएगी। आवास, खेल सामग्री, प्रतियोगिता में शामिल होने की सुविधा, अध्ययन व्यय, स्पोर्ट्स साइंस स्पोर्ट, स्वास्थ्य बीमा आदि दी जाएगी। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया गांधीनगर गुजरात में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रौशन करने प्रेरित किया। खिलाड़ियों को पैरा एथलेटिक्स चयन ट्रायल में शामिल होने के लिए कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, सीईओ हेमंत नंदनवार, उप संचालक समाज कल्याण संगीता सिंह, खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण मनोज धृतलहरे, अलका नरेश चंद्राकर, डॉ विश्वनाथ पाणिग्रही, विश्वनाथ अग्रवाल, पारस चोपड़ा, डॉ. विकास अग्रवाल, डॉ पुरेंद्र चंद्राकर, जिला पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन अध्यक्ष निरंजन साहू, सचिव तोरण यादव, विजू पटनायक, विपिन मोहंती, पुष्पेंद्र चंद्राकर, अपूर्व पांडे, सविता निषाद, आकाश जैन, अतुल बग्गा, भोजराम वर्मा, हरीश पांडे, भूमिका यादव, रश्मि साहू, दिव्य लोचन साहू, भेखलाल साहू, तुलसीराम बरिहा, दिलेश्वर चंद्राकर, मायाराम पटेल, किशोर मोहंती, विकास बग्गा, लक्ष्मी प्रिया साहू, फॉर्चून फाउंडेशन विद्यालय के शिक्षक एवं स्टॉफ ने हर्ष व्यक्त किया है।

तत्काल संपर्क करें

फील्ड कार्य के लिए 12वीं पास 15 युवक-युवतियों के लिए देश के प्रतिष्ठित मीडिया संस्थान से जुड़ने का सुनहरा अवसर....

फील्ड मार्केटिंग, सर्वे, रिपोर्टिंग, सुपरवाईजर, एजेंसी डेवलपमेंट, कैश कलेक्शन, टेलीकॉलिंग सहित अन्य कार्यों के लिए....

(प्रतिमाह-10000+इंसेंटिव)

कार्य के समय-8 घंटे

सक्षम युवक-युवतियां (युवतियों को प्राथमिकता)

संपूर्ण बायोडाटा, बैंक डिटेल और आधार कार्ड के साथ कार्यालय पहुंचकर संपर्क करें।

-कार्यालय का पता-

हरिभूमि

जिला कार्यालय प्रीतम प्राइड कॉम्प्लेक्स, स्वामी चौक-महासमुंद

मो.नं.99811-31365

समर्पण करने वाले सभी नक्सलियों का होगा सत्यापन, पिछले जीवन का तैयार होगा ब्योरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में आत्मसर्मपण करने वाले नक्सलियों का अब सत्यापन होगा। खास बात ये है कि इस काम के लिए राज्य सरकार ने नक्सल प्रभावित जिलों के पुलिस अधीक्षक (एसपी) को अधिकृत किया है।

सत्यापन के दौरान समर्पितों द्वारा दी गई जानकारी का ब्योरा तैयार किया जाएगा। मार्च में छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त घोषित किया गया है, लेकिन इससे पहले राज्यभर में करीब 2700 नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। छत्तीसगढ़ शासन ने राज्य में वामपंथी उग्रवाद के खात्मे और नक्सलियों के मुख्यधारा में लौटने की प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार के गृह विभाग (सी-अनुभाग) द्वारा जारी इस नवीन आदेश के तहत, अब नक्सल प्रभावित जिलों के जिला पुलिस अधीक्षकों को आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों द्वारा दी गई जानकारी और विवरण को लेखबद्ध करने तथा उसे अद्यतन (अपडेट) करने के लिए आधिकारिक रूप से नामांकित किया गया है ।

केंद्र सरकार के निर्देश का करेंगे पालन

यह निर्णय भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा पूर्व में जारी (2013 एवं 2022) नक्सलियों के आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास कार्ययोजना के दिशा-निर्देशों के परिपालन में लिया गया है । केंद्र सरकार की नीति के बिंदु 6.2 के अनुसार, कोई भी नक्सल कैडर जिला मजिस्ट्रेट, एसपी, रेंज डीआईजी, या अन्य अधिसूचित अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने के लिए स्वतंत्र है ।

पिछले जीवन का तैयार होगा ब्योरा

राज्य में नक्सलियों के सत्यापन के पीछे वजह ये है कि समर्पण करने वाले नक्सलियों के पूर्ववृत यानि उनके पिछले जीवन की जानकारी ली जाएगी। आत्मसमर्पित माओवादियों द्वारा दी गई जानकारी को निर्धारित प्रोफार्मा में भरकर संबंधित अधिकारियों को भेजा जाएगा । अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि दी गई जानकारी का संबंधित निकायों से सटीक सत्यापन कराया जाए । जानकारों का मानना है कि जिला स्तर पर पुलिस अधीक्षकों को सीधे तौर पर विवरण अपडेट करने के लिए नामांकित करने से पुनर्वास योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक जल्द पहुंच सकेगा और छद्म आत्मसमर्पण जैसी स्थितियों पर लगाम लगेगी।

तीन साल में 2700 से अधिक ने किया है समर्पण

छत्तीसगढ़ में पिछले तीन वर्षों (2024 से 2026 तक) के दौरान नक्सल मोर्चे पर आत्मसमर्पण के आंकड़ों में भारी वृद्धि देखी गई है। आधिकारिक आंकड़ों और रिपोर्टों के अनुसार, जनवरी 2024 से लेकर मार्च 2026 के शुरुआती सप्ताह तक प्रदेश में 2,714 माओवादियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में वापसी की है। इनमें से अकेले बस्तर संभाग में जनवरी, 2024 से मार्च, 2026 के बीच 2,625 नक्सलियों ने आत्मसर्पण किया। वर्षवार आंकड़ों पर गौर करें तो 2024 में कुल 881 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था, जबकि 2025 में यह संख्या बढ़कर लगभग 1,973 (अक्टूबर तक के आंकड़ों सहित) तक पहुंच गई।

इनामी नक्सली से लेकर नेता और महिलाएं भी

आत्मसमर्पण करने वालों में बड़े कैडर के नेताओं से लेकर निचले स्तर के सदस्य तक शामिल हैं। उदाहरण के तौर पर, मार्च 2026 में एक साथ आत्मसमर्पण करने वाले 108 नक्सलियों में 6 डिवीजनल कमेटी सदस्य (जिन पर 8-8 लाख रुपये का इनाम था), 3 कंपनी प्लाटून कमेटी कमांडर, 18 प्लाटून पार्टी कमेटी सदस्य, 23 एरिया कमेटी सदस्य और 56 साधारण पार्टी सदस्य शामिल थे। महिलाओं की भागीदारी की बात करें तो मार्च 2026 की एक बड़ी घटना में आत्मसमर्पण करने वाले 15 नक्सलियों में से 9 महिलाएं थीं। इसके अतिरिक्त, 2025 के अंत तक समर्पण करने वालों में 10 वरिष्ठ ऑपरेटिव भी शामिल थे, जिनमें से एक पर 1 करोड़ रुपये का इनाम था।

खबर संक्षेप

कांग्रेस का बिजली दफ्तर में प्रदर्शन

रायपुर। प्रदेश के कई जिलों में पॉवर कंपनी के अधिकारियों द्वारा बिजली बिल का पैसा जमा करने के स्थान पर गबन कर लिया गया है। इस मामले में कांग्रेस ने शुक्रवार को डगनिया के पॉवर कंपनी के दफ्तर में जमकर प्रदर्शन किया और एमडी के सामने मांग रखी कि इस गबन के 20 करोड़ रुपए की पूरी वसूली अधिकारियों से की जाए। इसी के साथ अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी की जाए। पूर्व महापौर प्रमोद दुबे से बताया पॉवर कंपनी के अधिकारियों ने आम जनता के पैसों को डकारने का काम किया है। जहां कवर्धा में खेलीडीह में 20 लाख की गड़बड़ी पाई गई है, वहीं शिवरीनारायण के मस्तूरी में 6 करोड़, अंबिकापुर में 3.6 करोड़, बिलासपुर में दो करोड़, राजनांदगांव में डेढ़ करोड़ सहित अलग-अलग स्थानों में 20 करोड़ रुपए की गड़बड़ी अधिकारियों ने की है।

अघोषित बिजली कटौती से लोग परेशान : शुक्ला

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, प्रदेश में भाजपा सरकार आने के बाद जनता को पूरे 24 घंटे बिजली नहीं मिल रही है। पूरे प्रदेश में अघोषित बिजली कटौती हो रही है।

ढाई साल में विद्युत सरप्लस वाला छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कटौती का केंद्र बन गया है। कोई ऐसा दिन नहीं होता जब बिजली दो-चार घंटे के लिए बंद न हो, रात में तो बिजली की स्थिति और भयावह हो जाती है, घंटों बिजली गुल हो जाती है। सरकार एक तो पूरे समय बिजली नहीं दे पा रही, ऊपर से उपभोक्ताओं पर महंगी बिजली का बोझ डाल रही है। प्रदेश के अनेक जिलों में तो पूरी रात बिजली कटौती हो रही है। भाजपा सरकार में आम जनता को मांग के अनुसार बिजली नहीं मिल रही है। बिजली कटौती और लो वोल्टेज की समस्या से शहर और गांव की जनता जूझ रही है।

पानी-सफाई-सड़क के मुद्दे पर भाजपा चुप, विशेष सभा के बहाने राजनीति

रायपुर। पूर्व महापौर एजाज ढेबर ने नगरीय प्रशासन विभाग के निर्देश पर पर महिला सशक्तिकरण के विषय पर बुलाई जा रही विशेष सामान्य सभा को लेकर गंभीर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि विशेष सामान्य सभा का उद्देश्य आपातकालीन और जनहित के मुद्दों पर चर्चा करना होता है, लेकिन वर्तमान में इसका उपयोग राजनीतिक एजेंडा आगे बढ़ाने के लिए किया जा रहा है।

श्री ढेबर ने सवाल उठाया कि शारदा चौक–तात्यापारा चौक सड़क चौड़ीकरण जैसे महत्वपूर्ण और लंबे समय से लंबित मुद्दे पर, जिसकी मांग सभी दलों के पार्षदों ने की है, उस पर विशेष सामान्य सभा क्यों नहीं बुलाई गई? वहीं शहर में पानी, सफाई और गर्मी से राहत जैसे गंभीर विषयों पर भी चर्चा से बचा जा रहा है।

गांव के विकास में पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका अहम

सीएम साय बोले- पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाकर विकसित भारत की नींव कर रहे मजबूत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राजधानी रायपुर के डीडीयू ऑडिटोरियम में आयोजित पंचायत पदाधिकारी सम्मेलन में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, डबल इंजन की हमारी सरकार पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाकर विकसित भारत की नींव को मजबूत कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में गांवों के समग्र विकास का नया अध्याय लिखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों की सक्रियता से ही गांवों का विकास होगा और अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचेगा। श्री साय ने कहा, उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत पंचायत प्रतिनिधि के रूप में की थी तथा पंच और सरपंच के दायित्व का निर्वहन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, पंचायत प्रतिनिधि के रूप में गांव के विकास को लेकर जो अनुभव प्राप्त होते हैं, वही आगे बढ़ने में सहायक होते हैं। आज हजारों जनप्रतिनिधि पंचायत से अपना सफर शुरू कर देश के उच्च सदनों तक पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, गांवों को स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर बनाने में पंचायतों की महत्वपूर्ण भूमिका है और जमीनी स्तर पर बेहतर कार्य करने से ही प्रभावी नीतियां बनती हैं।

बिजली बिल बकाया समाधान योजना का उठाएं लाभ

मुख्यमंत्री श्री साय ने पंचायत प्रतिनिधियों से कहा, पंचायतों में संचालित सभी गतिविधियों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करें, ताकि गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ सभी विकास कार्य पूर्ण हो सकें। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन 2.0 के अंतर्गत हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके सफल क्रियान्वयन में पंचायतों की जिम्मेदारी बड़ी है और इसे समयबद्ध रूप से पूरा करने में पंचायत प्रतिनिधियों को अपनी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने सुशासन तिहार के आयोजन का उल्लेख करते हुए कहा, इसके माध्यम से आमजनों की समस्याओं के समाधान के लिए शिविर लगाए जाएंगे। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से सुशासन तिहार के आयोजन और इसके माध्यम से अपने क्षेत्र की समस्याओं की पहचान कर उनके समाधान में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया, मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना के तहत लंबित बिजली बिलों के भुगतान के लिए विशेष अवसर प्रदान किया जा रहा है, जिसमें सरचार्ज पूरी तरह माफ किया गया है और अतिरिक्त रियायत का भी प्रावधान है। श्री साय ने प्रतिनिधियों से इसका लाभ अधिक से अधिक ग्रामीणों को दिलाने की बात कही। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा, हमारी डबल इंजन की सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय की मंशा के अनुरूप अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है।

दो को दी ई-रिक्शा की चाबी

इस दौरान उन्होंने प्रोजेक्ट अजा के तहत बकरी पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दो दीदियों को ई-रिक्शा की चाबी सौंपी। साथ ही प्रोजेक्ट आरोग्यम के कटआउट और प्रोजेक्ट हैंडी के तहत शासन की योजनाओं की संक्षिप्त पुस्तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन द्वारा संचालित इन गतिविधियों से आमजनों को हो रहे व्यापक लाभ के लिए उनके प्रयासों की सराहना की। सम्मेलन को सांसद बृजमोहन अग्रवाल, राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा, विधायक इंद्र कुमार साहू, तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र साहू, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष मोना सेन समेत त्रि-स्तरीय पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

एक वाहन के भरोसे 12 गांव-दर्जनों कालोनियां विद्युत बंद की शिकायतों पर छूटा विभाग का पसीना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

रायपुर जिले के सेजबहार विद्युत वितरण केंद्र अंतर्गत 12 ग्राम शामिल हैं। इन ग्राम क्षेत्रों में अब दर्जनों कालोनियां भी बस चुकी हैं। इसके बाद भी क्षेत्र में विद्युत वितरण केंद्र में न ही स्टॉफ की बढ़ोतरी की जा रही है और न ही जरूरत के साधन बढ़ाए जा रहे हैं। इसके कारण इन ग्रामों एवं कालोनियों में बिजली की आपूर्ति बाधित होने की शिकायतों का त्वरित निदान भी नहीं किया जा रहा है। कई बार तो ग्रामों के कई इलाके एवं कालोनियों में शिकायत मिलने के बाद भी स्टॉफ पहुंच नहीं पाता, जिसके कारण इस भीषण गर्मी के दिनों में कई परिवारों को दोपहर में कई घंटों तक तो कभी

रातभर बिना बिजली के रहना पड़ता है। इस क्षेत्र के निवासी एवं जिला पंचायत रायपुर के उपाध्यक्ष संदीप यदु ने जनहित से जुड़े इस मामले में विद्युत विभाग के अफसरों से क्षेत्र के विद्युत वितरण केंद्र में स्टॉफ एवं साधन बढ़ाने के साथ सेजबहार को जोन बनाने की मांग की है।

8 कर्मचारी कार्यरत, इनमें 4 लाइन स्टॉफ

क्षेत्र के लोगों से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के सेजबहार स्थित वितरण केंद्र में लगभग 7 से 8 स्टॉफ कार्यरत है। इनमें 4 लाइनमैन स्टॉफ है, जिसमें से 3 संविदा पर कार्यरत हैं। स्टॉफ की तुलना में वितरण केंद्र अंतर्गत 12 ग्राम हैं, लेकिन इन ग्रामों में तथा आसपास लगभग 20 से 25 कालोनियां बन चुकी हैं, जिसके कारण इस क्षेत्र की आबादी भी बहुत बढ़ गई है। बढ़ी आबादी के अनुसार विद्युत वितरण केंद्र में स्टॉफ के साथ साधन की बहुत कमी है, जिसका असर इस क्षेत्र में रहने वालों लोगों को परेशान होना पड़ता है। बिजली बंद की शिकायत करने के बाद भी कई घंटों के बाद विभाग की टीम उसे सुधारने के लिए पहुंच रही है। कई बार तो देर रात में बिजली बंद होने पर टीम ही नहीं पहुंचती है, जिसके कारण दूसरे दिन उस गांव या कालोनी में बिजली की आपूर्ति शुरू हो पाती है। संदीप यदु ने इस मामले को जिला पंचायत के सामान्य सभा में भी उठाते हुए मांग रखी की। इस समस्या का जल्द से जल्दा निराकरण किया जाए।

न्यू एज मीडिया में दक्ष बनें जनसंपर्क अधिकारी : बंसल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

जनसंपर्क आयुक्त रजत बंसल ने शुक्रवार को नवा रायपुर स्थित संवाद कार्यालय में जनसंपर्क संचालनालय और जिला जनसंपर्क अधिकारियों की बैठक लेते हुए कहा कि वर्तमान दौर में जनसंपर्क अधिकारियों को न्यू एज मीडिया की सभी विधाओं में दक्ष होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ तकनीक और संचार के नए माध्यमों को अपनाना ही प्रभावी जनसंपर्क की कुंजी है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जनसंपर्क का कार्य अत्यंत जिम्मेदारीपूर्ण है, इसलिए इसे पूरी गंभीरता के साथ किया जाना चाहिए और किसी भी प्रकार की कोताही से बचना जरूरी है। जनसंपर्क अधिकारी शासन और जनता के बीच सेतु की भूमिका निभाते हैं, ऐसे में उनकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि परिणाम के अनुरूप हर अधिकारी के कार्य का मूल्यांकन किया जाएगा। बैठक में

जनसंपर्क आयुक्त रजत बंसल ने ली बैठक

विभागीय सचिवों, विभागाध्यक्षों और जिले के कलेक्टरों के साथ नियमित संपर्क और समन्वय बनाएं। इससे सूचनाओं का समयबद्ध और प्रभावी आदान-प्रदान सुनिश्चित होगा, जो शासन की योजनाओं के सही क्रियान्वयन और प्रचार के लिए अत्यंत आवश्यक है।

मीडिया से रखें सतत संपर्क

बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के साथ सतत संपर्क और समन्वय बनाए रखा जाए, ताकि योजनाओं की उपलब्धियों और प्रसार सुनिश्चित किया जा सके। जनसंपर्क आयुक्त ने कहा कि सभी अधिकारी सक्रिय और जिम्मेदार तरीके से कार्य करें ताकि शासन की योजनाएं आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंच सकें। वहीं उन्होंने प्रचार-प्रसार कार्य में लापरवाही बरतने पर तीन जिला जन संपर्क अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश भी दिए हैं। बैठक में अपर संचालक उमेश मिश्रा, संजीव तिवारी, आलोक देव और हर्षा पौराणिक सहित संचालनालय और जिलों के जिला जनसंपर्क अधिकारी मौजूद थे।

बैज बोले- प्रदेश में अपराधी बेखौफ और बेलगाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, जांजगीर-चांपा के जैजेपुर में एक व्यवसायी के घर में घुस कर गोली मारे जाने की घटना बेहद ही चिंता का विषय है। यह घटना राज्य की बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था का एक और उदाहरण है।

जांजगीर-चांपा में व्यवसायी के घर में अपराधियों ने उनके बड़े बेटे की गोली मार कर हत्या कर दी, छोटा बेटा घायल है। अब आदमी अपने घर में भी सुरक्षित नहीं है। अपराधी इतने बेखौफ और बेलगाम हो चुके हैं कि उनमें कानून का जरा भी भय नहीं बचा है।

श्री बैज ने कहा, जांजगीर की घटना के पहले प्रदेश में गैंगवार की अनेकों घटनाएं पिछले ढाई साल में हुई हैं। राजधानी में पांच बार गोलियां चलाई गईं, रायपुर सेंट्रल जेल के सामने गोलियां चलाई गईं, झारखंड के गैंगस्टर रायपुर में गोलीबारी कर चुके हैं, बिलासपुर के मस्तूरी में व्यवसायी के ऊपर गोलियां चलाई गई। अब तो घर में घुस कर गोली मारी जा रही है। श्री बैज ने कहा, साय सरकार में छत्तीसगढ़ अपराध का गढ़ बन गया है। लूट, हत्या, चोरी, डकैती, बलात्कार की घटनाओं के आंकड़े बताते हैं कि राज्य की कानून व्यवस्था बदतर हो चुकी है। हर घटना के बाद सरकार और पुलिस का एक रटा रटाया बयान आता है कि दोषी बख्शे नहीं जाएंगे।

भाजपा बोली- कांग्रेस शासन में अपराधियों का ठिकाना बन गया था मुख्यमंत्री निवास

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. विजय शंकर मिश्रा ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के बयानों को कोरी सियासत करार देते हुए उन पर कड़ा पलटवार किया है। उन्होंने कहा, कांग्रेस के शासनकाल में छत्तीसगढ़ में अपराध की स्थिति इतनी भयावह थी कि आम नागरिक घर से बाहर निकलने पर अपनी सुरक्षा को लेकर हर पल सशंकित रहता था। कांग्रेस शासन में मुख्यमंत्री निवास ही अपराधियों का ठिकाना बन गया था। डॉ मिश्रा ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, कांग्रेस सरकार के दौरान मुख्यमंत्री निवास से शराब से लेकर सट्टा तक का अवैध कारोबार संचालित होता था। उस समय तत्कालीन मुख्यमंत्री का आवास एक तरह से अपराधियों का नया ठिकाना बन गया था, यह बात किसी से छिपी नहीं है। उन्होंने पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज पर निशाना साधते हुए कहा, कांग्रेस शासन में जब प्रदेश में अपराध चरम पर था, तब बैज मौन क्यों थे? आज अपनी खिसकती राजनीतिक जमीन को बचाने के लिए वे अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सुख, शांति और समृद्धि का वातावरण है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि अप्रिय घटनाएं न हों और कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनी रहे। उन्होंने कहा, भाजपा सरकारों के दौरान हमेशा अपराध पर अंकुश लगा है। वर्तमान में 'कांग्रेस समर्थित नक्सलवाद' के खात्मे के लिए जो ऐतिहासिक कार्य हो रहे हैं, उसकी देशभर में प्रशंसा हो रही है। कांग्रेस के बड़े नेता हताशा में कुछ भी कहने को विवश हैं, लेकिन उनकी इन बातों का जनमानस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला है। बैज की चिंताएँ पूरी तरह व्यर्थ और राजनीति से प्रेरित हैं।

25 साल में आयोजित हुए 75 सत्र, कई छोटी विधानसभाओं से ज्यादा चर्चा

छत्तीसगढ़ विधानसभा में 25 साल में 15 सौ घंटे से ज्यादा बजट चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा ने हाल ही में अपना रजत जयंती वर्ष मनाया है। इन 25 वर्षों के सफर में विधानसभा ने अपनी अलग पहचान बनाई है। गर्भगृह में जाने पर सदस्यों के स्वयं निलंबन के नियम के कारण देशभर में छत्तीसगढ़ विधानसभा की चर्चा तो है ही, अब बजट चर्चा के मामले में भी छत्तीसगढ़ विधानसभा कई छोटी विधानसभाओं से आगे है। छत्तीसगढ़ विधानसभा में 25 बरसों में आम बजट और पूरक बजट पर 1527 घंटे से ज्यादा चर्चा हुई है, यह 63 दिन के बराबर है।

राज्य स्थापना के बाद पहले सत्र से लेकर दिसम्बर में आयोजित पिछले सत्र तक यानी 25 बरसों में छत्तीसगढ़ विधानसभा के 75 सत्र आयोजित हो चुके हैं। इन सत्रों के दौरान सरकार द्वारा पेश आम एवं पूरक बजटों पर विस्तार से चर्चा हुई है। ज्यादातर छोटी विधानसभाओं में कम चर्चा के बाद ही बजट पारित कर दिए जाते हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ विधानसभा में विभागवार मांगों के बाद ही बजट पारित किए गए हैं। हर सत्र में पेश होने वाले पूरक बजट पर भी 3-4 घंटे से कम चर्चा कभी नहीं हुई।

किस विधानसभा में बजट पर कितनी चर्चा

प्रथम विधानसभा -	8 सत्र -	126.63 घंटे
द्वितीय विधानसभा-	14 सत्र -	340.57 घंटे
तृतीय विधानसभा-	13 सत्र -	351.34 घंटे
चतुर्थ विधानसभा-	17 सत्र -	364.04 घंटे
पंचम विधानसभा-	17 सत्र-	202.80 घंटे
षष्ठम विधानसभा-	6 सत्र -	141.67 घंटे

डॉ. रमन के सीएम-वित्त मंत्री रहने के दौरान ज्यादा चर्चा

राज्य में द्वितीय से लेकर चतुर्थ विधानसभा के दौरान बजट पर ज्यादा चर्चा हुई है। द्वितीय से लेकर चतुर्थ विधानसभा के दौरान डॉ. रमन सिंह मुख्यमंत्री के साथ-साथ वित्त मंत्री भी रहे। इन्हीं तीनों विधानसभाओं में ही बजट पर ज्यादा चर्चा हुई। तीनों कार्यकाल में सदन में एक हजार घंटे से ज्यादा चर्चा हुई। प्रथम विधानसभा के 3 साल में बजट पर सबसे कम सिर्फ 126 घंटे ही चर्चा हो पाई थी।

सिर्फ एक बार गिलोटिन से बजट पारित

छत्तीसगढ़ विधानसभा के इतिहास में सिर्फ एक बार ही गिलोटिन से बजट पास करने की नौबत आई थी। पंचम विधानसभा में मार्च 2020 के बजट सत्र में कोरोना संक्रमण के कारण उत्पन्न परिस्थितियों के कारण बिना चर्चा के ही बजट पारित किया गया था। वैसे पंचम विधानसभा के पांच वर्षों में ही सबसे कम सिर्फ 202.80 घंट ही चर्चा ही हुई थी।

25 बरसों में 4 हजार घंटे कुल चर्चा

प्रथम से लेकर षष्ठम विधानसभा तक 25 बरसों में बैठकों में कुल करीब 4 हजार घंटे की चर्चा हुई। यह भी छोटी विधानसभा की तुलना में काफी ज्यादा है। इसमें भी सबसे ज्यादा 933 घंटे की चर्चा द्वितीय विधानसभा में हुई थी, जबकि तृतीय और चतुर्थ विधानसभाओं में बैठकों पर क्रमशः 836 और 845 घंटे चर्चा कार्यसूची के सभी विषयों पर हुई । प्रथम विधानसभा के 3 वर्षों में करीब 538 घंटे चर्चा हुई थी।

डिजिटल बैरियर की मांग पर अड़े प्राध्यापक, वजह-असुरक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि में आयोजित शिक्षक संघ की बैठक में अध्ययनशाला में कार्यरत प्राध्यापकों ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कड़े सवाल उठाए हैं। विवि परिसर में बाहरी तत्वों के बढ़ते प्रवेश और नियमित अंतराल में निर्मित हो रही विवाद की स्थिति को देखते हुए डिजिटल बैरियर की मांग की जा रही है। इसके अंतर्गत प्राध्यापकों के गाड़ी के नंबर सिस्टम में अपलोड किए जाएंगे। डिजिटल बैरियर रजिस्टर्ड नंबर वाले वाहनों को प्रवेश की अनुमति प्रदान करेगा,

जबकि अन्य वाहनों को रोके जाने के बाद पूछताछ और आईडी दिखाए जाने पश्चात ही प्रवेश दिया जाएगा। शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो.जितेंद्र प्रेमी ने कहा कि एनआईटी सहित कई राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों में इस तरह की व्यवस्था है। इस तर्ज पर रविवि में भी यह व्यवस्था की जानी चाहिए। बैठक में विभिन्न विभागों के अध्यक्ष सहित प्राध्यापक व सहायक प्राध्यापक शामिल हुए।

कैंपस में गाड़ी चलाना सीखते हैं लोग

शिक्षक संघ का कहना है कि रविवि कैंपस में सुबह और देर शाम-रात के दौरान बाहरी व्यक्ति गाड़ी चलाना भी सीखते हैं। रहवासी कॉलोनी में प्राध्यापक अपने परिवार के साथ रहते हैं। ऐसे में उनके साथ दुर्घटना का भय हर वक्त बना रहता है। इस संदर्भ में दिशा-निर्देश कई बार जारी किए जा चुके हैं, लेकिन कभी भी कड़ाई से इनका पालन नहीं हुआ है।

खबर संक्षेप

टैंकर से गंदा पानी की सप्लाई, ठेकेदार पर जुर्माना

रायपुर। नगर निगम जोन 9 क्षेत्र में पानी टैंकर से गंदा पानी की सप्लाई के मामले में जोन कमिश्नर ने कार्रवाई की है। इस मामले में संबंधित टैंकर ठेकेदार पर जुर्माना लगाया है। कमिश्नर ने बताया कि जिस टैंकर से पानी की सप्लाई की गई थी वह निजी ठेकेदार द्वारा भेजा गया था। टैंकर पुराना होने के साथ उसकी सफाई भी नहीं हुई थी। इस कारण से टैंकर को बदलकर नया टैंकर से पानी की सप्लाई की गई। उन्होंने इस मामले में ठेकेदार को चेतावनी भी दी है कि भविष्य में पानी परीक्षण कर ही सप्लाई करें नहीं तो अनुबंध निरस्त किया जाएगा।

पेंडिंग मामलों पर जूडा आंदोलन के मूड में

रायपुर। सुपर स्पेशलिटी डाक्टरों का अलग कैडर, पीजी डाक्टरों के स्टाईपेंड और अनुबंधित डाक्टरों के वेतन पर एक बार फिर असंतोष का माहौल बनने लगा है। इसे लेकर एक बार फिर आंदोलन का मूड बनता जा रहा है। सीजीडीएफ के अध्यक्ष डा. हीरा सिंह ने बताया कि महंगाई बढ़ी, जिम्मेदारियाँ बढ़ीं, मरीजों का दबाव बढ़ी जिसकी वजह से डाक्टरों के वेतन, स्टाइपेंड पर विचार करना आवश्यक है। इसी तरह देशभर में डीएम, एमसीएच और डीआरएनबी जैसे उच्चतम चिकित्सा डिग्रीधारी डॉक्टरों के लिए अलग कैडर, अलग वेतनमान और स्पष्ट करियर संरचना की गई है। छत्तीसगढ़ में आज भी इन सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों के लिए कोई अलग व्यवस्था नहीं है। यह स्थिति न केवल नीति की कमी को दर्शाती है, बल्कि प्रतिभा के पलायन को भी बढ़ावा दे रही है।

जिन डॉक्टरों ने वर्षों की कठिन पढ़ाई और प्रशिक्षण के बाद सुपर स्पेशलिटी डिग्री हासिल की है, उन्हें न तो उनके कौशल के अनुरूप पद मिल रहा है और न ही वेतन। कई मामलों में डीएम, एमसीएच और डीआरएनबी डॉक्टरों को सामान्य स्पेशलिस्ट के समान वेतन पर काम करने को मजबूर होना पड़ रहा है। यह न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि राज्य के लिए दीर्घकालिक नुकसान का कारण भी है।

गिरीश बने स्काउटिंग क्षेत्र में छत्तीसगढ़ के 25वें लीडर ट्रेनर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बसना

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली के तत्वाधान में राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र पचमढ़ी में 15 जून 2025 से 21 जून 2025 तक 56वें लीडर ट्रेनिंग का आयोजन किया गया था। जिसमें छत्तीसगढ़ से गिरीश कुमार पाढ़ी प्रशिक्षण में सम्मिलित हुए थे।

बता दें कि पूरे भारत वर्ष से कुल 38 प्रशिक्षार्थी ही भाग लिए थे। प्रशिक्षण के उपरांत इन्हें 500 बीएसजी यूआईडी के साथ नए सदस्यों को जोड़ने का प्रयोजना दिया गया था।

जिसे माह फरवरी 2026 में पूर्ण कर लिया गया। राष्ट्रीय मुख्यालय से कार्य संतोष प्रद पाए जाने के बाद इन्हें लीडर ट्रेनर स्काउट का प्रमाण पत्र दिया गया था। जिसे 24 अप्रैल 2026 को राज्य मुख्यालय रायपुर के तत्वाधान में देवेंद्र नगर स्थित बालाजी विद्या मंदिर रायपुर में राष्ट्रीय मुख्यालय आयुक्त स्वामी एवं राज्य मुख्य आयुक्त इंद्रजीत सिंह खालसा ने संयुक्त रूप से प्रमाण पत्र किया गया। अब इनके साथ में कुल 25 लीडर ट्रेनर छत्तीसगढ़ में हो गए हैं। इस उपलब्धि पर राज्य अध्यक्ष व शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, राज्य मुख्यालय आयुक्त शैलेंद्र मिश्रा, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त पूनम सिंह साहू, सरिता पांडेय, राज्य संगठन आयुक्त अमित क्षत्रिय, जलवती साहू एवं राज्य के सभी लीडर ट्रेनर, जिला अध्यक्ष येतराम साहू, जिला मुख्य आयुक्त चंद्रहास चंद्राकर आदि ने हर्ष जताया है। यह जानकारी विकास खंड सचिव विवेकानंद दास ने दी है।

मैदान में हारा इंसान जीत सकता है, मन से हारा नहीं : परमीत सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिथौरा (ग्रामीण)

नगर के शहीद भगत सिंह खेल मैदान में चल रही गोविंद कमला गौधाम कप रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का रोमांच लगातार बढ़ता जा रहा है। मॉर्निंग क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता के चौथे दिन मुख्य अतिथि परमीत सिंह माटा, अध्यक्षता कुलजीत आजमानी एवं विशेष अतिथि विजय गुप्ता की उपस्थिति में मैचों की शुरुआत हुई। इस अवसर पर सतीश अग्रवाल, सचिन अग्रवाल और मेहर सलूजा भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन सौरभ अग्रवाल ने किया।

मुख्य अतिथि परमीत सिंह माटा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल और जीवन में अनुशासन और समर्पण बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि मैदान में हारने वाला खिलाड़ी दोबारा जीत सकता है, लेकिन जो मन से हार जाता है, वह कभी आगे नहीं बढ़ पाता। उन्होंने इस प्रतियोगिता को खेल और सेवा का अच्छा उदाहरण बताया। चौथे दिन का मुख्य मुकाबला बिट्टू इलेवन और नूतन कार के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बिट्टू इलेवन ने निर्धारित ओवरों में 8 विकेट खोकर 136 रन बनाए। जवाब में नूतन कार की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 97 रनों पर ही सिमट गई। इस तरह बिट्टू इलेवन ने 39 रनों से शानदार जीत दर्ज की। बिट्टू इलेवन की ओर से फहद दयाला ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लिए और उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। अध्यक्षता कर रहे कुलजीत आजमानी ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि भीषण गर्मी में रात्रिकालीन प्रतियोगिता का आयोजन सराहनीय पहल है। मॉर्निंग क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष भोजराज डडसेना ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम को सफल बनाने में भोजराज डडसेना, राहुल यादव, दिनेश कालसा, मुक्कु सेन, तुषार राजपूत, समीर मिरी, राजगोपाल रोतिय, डिगेश पटेल, रामेश्वर ध्रुव, गीतेश ध्रुव एवं दिनेश सिन्हा का विशेष सहयोग रहा।

युवाओं को संस्कारों से जोड़ना ही भागवत कथा का असली उद्देश्य : अनुरागिनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बसना

जोगीदादर में प्रसिद्ध कथावाचिका अनुरागिनी ममता शर्मा ने कहा है कि आज की युवा पीढ़ी जो आधुनिकता की चकाचौंध में अपनी संस्कृति को भूलती जा रही है, उसे पुनः अपनी जड़ों से जोड़ना अनिवार्य है। जोगीदादर स्थित एक आश्रम में पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने धर्म, संस्कृति और गौ-सेवा जैसे गंभीर मुद्दों पर अपनी राय रखी।

मूलतः छत्तीसगढ़ के ग्राम चांदन (बलौदाबाजार) की रहने वाली ममता शर्मा पिछले 5 वर्षों से वृंदावन धाम में निवास कर रही हैं।

उन्होंने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा के माध्यम से वे रासलीला और चीर-हरण जैसे प्रसंगों के पीछे छिपे गूढ़ आध्यात्मिक रहस्यों को युवाओं को समझा रही हैं, ताकि उनके मन की भ्रांतियां दूर हो सकें। ममता शर्मा ने गौ-सेवा को राष्ट्र की प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि भारत के समस्त संत और गौ-भक्त मिलकर गौ माता को 'राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए प्रयासरत हैं। इसी कड़ी में आगामी 27 अप्रैल को सामूहिक रूप से ज्ञापन सौंपने की तैयारी है।

धर्म की रक्षा जरूरी

जोगीदादर क्षेत्र को ब्रज क्षेत्र के समान बताते हुए उन्होंने वहां हो रही गौ-सेवा और कबीर दास की प्राचीन भक्ति परंपराओं के पुनरुद्धार की सराहना की। उन्होंने कहा कि लखन मुनि जैसे युवाओं का धर्म की रक्षा के लिए आगे आना सुखद संकेत है। इस अवसर पर उन्होंने सभी से अपनी संस्कृति और ग्रंथों के गौरव को बचाए रखने की अपील की।

निःशुल्क ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण प्राप्त कर 18 युवतियों ने शुरू किया स्वयं का रोजगार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

ग्रामीण स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा जिले की 23 युवतियों को 16 मार्च 2026 तक 35 दिवसीय ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण पूर्ण होते ही युवतियों को कार्य के अवसर मिलने लगे हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो रही है।

प्रशिक्षण प्राप्त 23 युवतियों में से 18 युवतियों ने तत्परता दिखाते हुए स्वयं का ब्यूटी पार्लर कार्य प्रारंभ कर दिया है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को मेकअप, हेयर स्टाइलिंग, स्किन केयर एवं ब्राइडल मेकअप सहित विभिन्न तकनीकों का व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान दिया गया। शादी के इस सीजन में प्रशिक्षित युवतियों को लगातार ऑर्डर प्राप्त हो रहे हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है तथा वे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर हैं। प्रशिक्षण प्राप्त हितग्राही प्रियंका साहू,

रामहीन, पूजा, धनेश्वरी, गीता एवं मोनिशा ने बताया कि वे अपने-अपने ग्राम स्तर पर ब्यूटी पार्लर का संचालन कर रही हैं और उन्हें निरंतर कार्य मिल रहा है, जिससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। हितग्राहियों ने बताया कि संस्थान द्वारा प्रदान किया गया प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क है तथा इसमें आवासीय सुविधा भी निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती है।

पिटियाझर तालाब की कराई गई साफ-सफाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

वार्ड क्रमांक 12 पिटियाझर स्थित तालाब का श्रमदान व नगर पालिका के जेसीबी से सफाई कराया गया। सफाई कार्य का निरीक्षण करने नपा उपाध्यक्ष देवीचंद राठी व वार्ड 12 पार्षद कल्पना सूर्यवंशी, वार्ड क्र 22 पार्षद मुन्ना देवार, भाजपा नेता जितेंद्र साहू पहुंचे। वर्षों से तालाब की सफाई नहीं होने के कारण तालाब के चारों तरफ गंदगी पसरी हुई थी। तालाब की सफाई को लेकर सुबह रविदास बस्ती के राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ के स्वयंसेवकों ने सफाई की और आगे भी अनवरत पिटियाझर तालाब की सफाई करने का संकल्प भी लिया। नपा के जेसीबी से भी तालाब के ऊपर के

मेड़ की सफाई कराई गई। इस अवसर पर नपा उपाध्यक्ष देवीचंद राठी ने बताया कि वार्ड की जनता लंबे समय से तालाब की सफाई को लेकर पालिका को अवगत कराते रहे, लेकिन इस ओर किसी ने ध्यान नहीं दिया। फलस्वरूप आज तालाब की सफाई जेसीबी के माध्यम से कराया गया। उन्होंने वार्डवासियों से अनुरोध किया कि तालाब में बने पचरी जर्जर हो चुका है। कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। पचरी का जीर्णोधार कराना आवश्क है, इसके लिए मुख्य नपा अधिकारी को पत्र लिखकर तत्काल पचरी निर्माण कराने कहा जाएगा।

बंदर ने किया ग्रामीणों को परेशान, कई घायल

रायपुर। अभनपुर से सटे चेरिया गांव के ग्रामीण पिछले छह महीने से एक काला मुंह के बंदर के आतंक से आतंकित हैं। तालाब नहाने जाने वाले लोगों को बंदर काटने के लिए दौड़ाता है। बंदर का आतंक अब तालाब के बाद आंगनबाड़ी तक पहुंच गया है। बंदर के आतंक के सहमे ग्रामीण अपने बच्चों को आंगनबाड़ी भेजने से परहेज कर रहे हैं। चेरिया की सरपंच तृप्ति तिवारी ने बंदर के आतंक से मुक्ति दिलाने विभागीय अफसरों को तीन से चार बार पत्र भी लिखा है। पत्र मिलने के बाद वन विभाग के अफसरों ने बंदर को पकड़ने दो दिन तक पिंजरा भी लगाया था। इसके बाद पिंजरा को हटा लिया गया। सरपंच ने ग्रामीणों के हवाले से बताया है कि गांव वाले तालाब नहाने या किसी काम से जाते हैं, तब बंदर ग्रामीणों को काटने के लिए दौड़ाता है।

जिले के पुलिस परिवार के बच्चों को कराया गया स्वामी विवेकानंद हवाई अड्डे का भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

जिले के पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों के 28 बच्चों को रायपुर स्थित स्वामी विवेकानंद हवाई अड्डे का एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण कराया गया।

आधुनिक परिवहन की व्यावहारिक समझ और बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर आयोजित यह भ्रमण न केवल ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि बच्चों के लिए कौतूहल और रोमांच से भरा भी साबित हुआ।

अपनी स्कूली गणवेश और आईडी कार्ड पहने ये बच्चे जब एयरपोर्ट पहुंचे, तो उनकी आंखों में उड़ान भरने वाले जहाजों को करीब से देखने की चमक साफ दिखाई दे रही थी। बच्चों ने वहां एयरपोर्ट की कार्यप्रणाली, सुरक्षा जांच की प्रक्रिया और आधुनिक विमानन सेवाओं को करीब से देखा और समझा। बच्चे हवाई अड्डे के माहौल को देखकर बेहद उत्साहित नजर आए।।

जन्मजात हृदय रोगों पर बारीकी से अध्ययन के लिए एम्स और सत्य साईं हास्पिटल के बीच दूसरा करार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जन्मजात हृदय रोग से पीड़ितों के सुगम उपचार के लिए और अधिक अध्ययन की आवश्यकता है। वैश्विक अनुभव और आपसी सहयोग के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एवं सत्य साईं संजीवनी हास्पिटल के बीच दूसरा बड़ा समझौता किया गया है। वर्तमान में सत्य साईं हास्पिटल में मध्य भारत का पहला होमोग्राफ्ट वॉल्व बैंक का संचालन किया जा रहा है। इसका प्रत्यारोपण भी आवश्यकता के मुताबिक मरीजों को किया जा रहा है।

सत्य साईं संजीवनी हास्पिटल हृदय रोगों से पीड़ित बच्चों का लगातार इलाज कर उन्हें नया जीवन प्रदान कर रही है। वहीं अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भी इस सीएचडी की समस्या से पीड़ित मरीजों का इलाज कर रहा है। जन्मजात हृदय रोग के उपचार को और आधुनिक बनाने तथा इस बीमारी के और बारीकी से अध्ययन के लिए दोनों संस्थाओं द्वारा शुक्रवार को एमओयू किया गया है। इस समझौता ज्ञापन का मुख्य उद्देश्य सहयोग को बढ़ावा देना, वैश्विक अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करना और स्वास्थ्य विज्ञान की उन्नति के लिए पारस्परिकता, सर्वोत्तम प्रयास, पारस्परिक लाभ और निरंतर बातचीत के आधार पर ज्ञान की उन्नति को सुगम बनाना है। कैशलेस हास्पिटल के नाम से अपनी अलग पहचान बनाने संजीवनी हास्पिटल में मध्य भारत का पहला होमोग्राफ्ट वाल्व बैंक स्थापित है ।

होमोग्राफ्ट ऊतक को बिहार के एक मरीज में सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया गया है। साथ ही रायपुर सहित पलवल, खारघर में स्थापित संस्थान के ऑपरेशनल रिसर्च सेंटरों में 80,000 से अधिक रक्त, सीरम और ऊतक के नमूने संग्रहित हैं।

जैव भंडार का अनमोल खजाना

इस दौरान डा. जिंदल ने सत्य साई संजीवनी अस्पताल के जैव भंडार को एक अनमोल खजाना बताया और कहा कि एम्स इसका सर्वोत्तम उपयोग करेगा। डॉ. सी. श्रीनिवास ने कहा समझौता ज्ञापन केवल एक दस्तावेज नहीं है, बल्कि दिलों का मिलन भी है। विकसित भारत के लिए विकसित स्वास्थ्य अनिवार्य है। इन दो प्रतिष्ठित संस्थानों के बीच हुआ समझौता ज्ञापन रोगों की रोकथाम और उनके कारणों को समझने में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल करेगा।

लाभान्वित मरीजों को सर्टिफिकेट

इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में एम्स के प्रभारी निदेशक डॉ. अशोक कुमार जिंदल, डॉ. सी. श्रीनिवास और अन्य अतिथियों ने छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश के मरीजों को जीवन प्रमाण पत्र प्रदान किए। सात वर्षीय प्रतीक ने लेफ्टिनेंट जनरल से हाथ मिलाया। दो वर्षीय अविनाश डॉक्टर बनना चाहता है, मोहम्मद प्रतीक विराट कोहली का प्रशंसक है। यश लोधी की दादी ने कहा कि अपने पोते को स्वस्थ देखकर उन्हे खुशी हुई। 23 वर्षीय संजू देवांगन ने श्री सत्य साई संजीवनी मातृ एवं शिशु अस्पताल में पुत्र के जन्म को अपना सौभाग्य बताया।

भाड़ा नियंत्रक कोर्ट में तीन साल बाद 139 प्रकरणों में आदेश जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर के कलेक्टोरेट स्थित भाड़ा नियंत्रक न्यायालय में नियमित सुनवाई नहीं होने से लगभग तीन वर्षों से मकान मालिकों और किराएदारों के बीच विभिन्न कारण से होने वाले विवाद प्रकरणों का निराकरण नहीं हो पा रहा था। इस लंबे समय के बाद यह पहला वित्तीय वर्ष 2025-26 है, जिसमें 139 प्रकरणों में न केवल नियमित सुनवाई हुई है, बल्कि अंतिम आदेश भी जारी हुए हैं। इधर आदेश जारी होने से आवेदक पक्षकारों को बड़ी राहत मिली है, क्योंकि इनमें कुछ प्रकरण 5 से 8 वर्ष पुराने भी हैं। हालांकि विभागीय सूत्रों से यह भी जानकारी मिली है कि जिन प्रकरणों में आदेश जारी हुए हैं, उनमें से कई प्रकरणों में अनावेदक पक्षकारों ने इस आदेश के विरुद्ध अपील भी की है। जिले में लंबित केस में लगभग 45 केस ऐसे भी हैं, जो 5 वर्ष से भी पुराने हैं। इनमें केस दर्ज करने वाले कई आवेदकों, पक्षकारों की मृत्यु तक हो चुकी है, जिसके कारण उनके परिवार के अन्य सदस्य अब ये केस लड़ रहे हैं।

केस 1

सदरबाजार में वर्ष 2017-18 में मनीष शर्मा नामक व्यक्ति ने गुलाबचंद सेमुअर के विरुद्ध केस दर्ज किया था। मनीष शर्मा की मृत्यु हो चुकी है, जिसके बाद अब उसकी पत्नी ज्योति शर्मा यह केस लड़ रही है। इस प्रकरण में गुलाबचंद किराएदार है, जो मकान का कब्जा छोड़ नहीं रहा था। यह प्रकरण दो बार हाईकोर्ट से डिस्पोजल होकर भी आया है। इस प्रकरण में अब भाड़ा नियंत्रक ने ज्योति के पक्ष में 16 मार्च 2026 को आदेश जारी किया है और अनावेदक को कब्जा छोड़ने के निर्देश दिए है।

केस 2

आवेदिका श्यामाप्रसाद भाटिया ने वर्ष 2021-22 में अपने किराएदार के विरुद्ध भाड़ा नहीं देने का केस दर्ज किया था। इस प्रकरण में भी लंबे समय से पेशी की तारीख आगे बढ़ाई जा रही थी। इस प्रकरण में अब कोर्ट ने 1 अप्रैल को भाटिया के पक्ष में आदेश जारी करते हुए किराएदार ओंकारप्रसाद अवधिया को लगभग 4 लाख रुपए बकाया किराया राशि देने का निर्देश दिया है।

केस 3

नमीश कुमार गुप्ता ने भी वर्ष 2021-22 में गोमता प्रसाद गुप्ता के विरुद्ध मकान कम दुकान को खाली नहीं करने एवं भाड़ा नहीं देने पर केस किया था। इस प्रकरण में भी लंबे समय से नियमित सुनवाई नहीं हो पा रही थी, लेकिन अब 10 अप्रैल को इस प्रकरण में कोर्ट ने नमीश के पक्ष में आदेश जारी किया है तथा गोमता को बकाया भाड़ा देने के साथ मकान कम दुकान को खाली करने के निर्देश दिए है।

खबर संक्षेप

जानकी जयंती पर की गई पूजा अर्चना

महासमुंद। ग्राम खरोरा में माता जानकी जयंती पर्व पर माता जानकी की पूजा अर्चना की गई। इस दौरान संतोष वैष्णव, हीरेंद वैष्णव, सनत वैष्णव, राधिका वैष्णव ने कहा कि जानकी जयंती को नवमी देवी सीता के प्राकट्य का ये पर्व वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष के नौवें दिन मनाया जाता है। ग्रंथों के मुताबिक वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की नवमी को पुष्य नक्षत्र में पृथ्वी से देवी सीता कन्या रूप में प्रकट हुई थीं और राजा जनक को खेत मिली थी।

गोस्वामी समाज जिला इकाई का चुनाव 3 को

महासमुंद। छत्तीसगढ़ सनातन दशनाम गोस्वामी समाज जिला इकाई महासमुंद के वर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल पूरा होने के कारण 3 मई रविवार को जिला इकाई का नवीन निर्वाचन होने जा रहा है। इसके लिए सुशील गिरि (आरंग) को निर्वाचन अधिकारी, विजय पुरी (महासमुंद) को उपनिर्वाचन अधिकारी तथा देवेंद्र प्रकाश गिरि (रायपुर) को प्रांतीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। निर्वाचन कार्य सामाजिक संविधान में बताए गए प्रक्रिया के अनुसार लोकतांत्रिक विधि से होगा। जिसके अंतर्गत मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 27 अप्रैल को तथा दावा आपत्ति के निराकरण के बाद अंतिम प्रकाशन 30 अप्रैल को होगा। अभ्यर्थियों का नामांकन 1 मई को तथा निर्वाचन 3 मई दिन रविवार को होगा। पश्चात उसी दिन मतगणना तथा परिणामों की घोषणा की जाएगी। उपरोक्त जानकारी समाज के वर्तमान जिला अध्यक्ष तोषण गिरि गोस्वामी ने दी है।

छात्राओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राज्यपाल स्वेच्छानुदान से मिली 10-10 हजार की राशि

■ कलेक्टर ने विद्यार्थियों को चेक प्रदान कर उच्च लक्ष्य प्राप्त करने किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

राज्यपाल रमेन डेका द्वारा महासमुंद जिले के आकांक्षी ब्लॉक पिथौरा अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2024-25 में कक्षा 10वीं एवं 12वीं में टॉप 3 स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली छात्राओं की उपलब्धि को प्रोत्साहित करने के लिए स्वेच्छानुदान मद से प्रत्येक को 10-10 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने अपने कक्ष में छात्राओं को उक्त राशि का चेक वितरण करते हुए उन्हें निरंतर परिश्रम कर उच्च लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 में बसना विकासखंड अंतर्गत संचालित स्कूलों के छात्राओं ने उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करते हुए जिले का गौरव बढ़ाया है। जिसमें शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पिथौरा के कक्षा 10वीं की छात्रा रेणु पटेल ने 95.67 प्रतिशत अंक अर्जित किया। वहीं कक्षा 12वीं विज्ञान संकाय की छात्रा पायल साहू ने 96.20 प्रतिशत अंक हासिल किया। इसी तरह फुलझर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भगतदेवरी की कक्षा 10वीं की छात्रा लिशा साहू ने 96.17 प्रतिशत एवं कक्षा 12वीं की छात्रा नंदनी नायक ने 88.40 प्रतिशत अंक प्राप्त किया। वहीं सरस्वती शिशु मंदिर पिरदा के कक्षा 10वीं की छात्रा आस्था पटेल ने 95.50 प्रतिशत तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरनईदादर के कक्षा 12 वीं की छात्रा अस्मिता भोई ने 95.20 प्रतिशत अंक हासिल किया।

उन्नति : आधुनिक कृषि तकनीक ने दिलाई सफलता

ग्रॉफ्टेड टमाटर की खेती से दुबेलाल का बढ़ा मुनाफा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

जिले के विकासखंड महासमुंद अंतर्गत ग्राम बंबूरडीह के कृषक दुबेलाल कोसरे ने आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। कोसरे बताते हैं कि पूर्व में वे पारंपरिक रूप से धान एवं अन्य फसलों की खेती करते थे। इस पारंपरिक खेती में लागत अपेक्षाकृत अधिक होने के बावजूद उन्हें सीमित लाभ ही प्राप्त हो पाता था, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हो पा रहा था।

वर्ष 2025-26 में उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में उन्हें यह जानकारी प्राप्त हुई कि उद्यानिकी फसलों के माध्यम से कम क्षेत्र में अधिक उत्पादन एवं अधिक लाभ अर्जित किया जा सकता है। इस

जानकारी से प्रेरित होकर उन्होंने राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत ग्राफ्टेड टमाटर सीडलिंग प्रदर्शन घटक का लाभ लिया। कोसरे बताते है कि योजना के तहत उन्हें 30 हजार रुपए का अनुदान भी प्राप्त हुआ, जिससे उन्होंने अपने 0.40 हेक्टेयर सिंचित भूमि में आधुनिक तकनीक के माध्यम से ग्राफ्टेड टमाटर की खेती प्रारंभ की।

कृषक दुबेलाल कोसरे द्वारा उच्च गुणवत्ता वाली ग्राफ्टेड पौध, सिंचाई के लिए ड्रिप प्रणाली तथा खरपतवार नियंत्रण के लिए मल्चिंग तकनीक का उपयोग किया गया। वे बताते हैं कि उन्नत तकनीकों के समुचित उपयोग से उन्हें प्रति एकड़ लगभग 16 से 18 टन तक उत्पादन प्राप्त हुआ। बाजार में टमाटर का औसत विक्रय मूल्य लगभग 20 रुपए प्रति किलोग्राम मिलने से उन्हें कुल लगभग 3 लाख 9 हजार रुपए का लाभ प्राप्त हुआ। यह लाभ धान की खेती की तुलना में कई गुना अधिक रहा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। कोसरे द्वारा अन्य किसानों को उन्नत तकनीकों को अपनाने तथा बाजार की मांग के अनुरूप फसल उत्पादन करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा हैं। उनके मार्गदर्शन से ग्राम बंबूरडीह के अन्य कृषक भी उद्यानिकी फसलों की ओर आकर्षित हो रहे हैं और आधुनिक खेती को अपनाने लगे हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरायपाली में मनाया गया विश्व मलेरिया दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सरायपाली

स्व मोहनलाल चौधरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ कुणाल नायक व खंड विस्तार प्रशिक्षण अधिकारी सह मीडिया प्रभारी टीआर धृतलहरे के संयुक्त तत्वावधान में विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया।

डॉक्टर नायक के द्वारा बताया गया कि मलेरिया बुखार मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से होता है, जो ठहरे हुए गंदा पानी में पनपती है। मादा एनाफिलीज

मच्छर संक्रमित व्यक्ति को काटने की पश्चात स्वस्थ व्यक्ति को काटने से मलेरिया फैलता है। भारत में प्लाज्मोडियम फैल्सीफेरम व प्लाज्मोडियम वायवेक्स दो प्रकार के मलेरिया पैरासाइट मुख्य रूप से पाया जाता है। इसमें प्लाज्मोडियम फैल्सीफेरम खतरनाक मलेरिया है, जिसे मस्तिष्क मलेरिया के नाम से भी जाना जाता है। मलेरिया बुखार के प्रमुख लक्षण है। ठंड लगकर कंपकपी के साथ बुखार, तेज़ सिरदर्द, उल्टी होना, किसी किसी को चक्कर आना व पसीना के साथ बुखार का उतर जाना है। जिससे मरीज को कमजोरी लगता है। लंबे समय तक के मलेरिया बुखार से पीड़ित होने पर मरीज को खून की कमी, पीलिया और किडनी फेल भी हो सकता है। इसी कड़ी में टीआर धृतलहरे ने बताया कि मलेरिया परजीवी के बारे में सर्वप्रथम सर रोनाल्ड रॉस ने 1897 में विस्तृत जानकारी दिया था। मलेरिया से बचाव के लिए हमें मच्छरदानी का उपयोग, घर के आसपास पानी का जमाव नहीं होने देना, घरों में नीम के पत्ती का धुआं देना तथा बुखार आने पर नजदीक के स्वास्थ्य केंद्र में अपना खून का जांच कराना है। क्योंकि, कोई भी बुखार मलेरिया हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा पूरे विश्व में जॉर्जिया देश को मलेरिया मुक्त घोषित किया है तथा नाइजीरिया में सबसे ज्यादा मलेरिया का केस मिलता है। भारत सरकार का वर्ष 2026 के लिए थीम मलेरिया उन्मूलन के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में डॉ जनक कुमार जेरी, डॉ स्मृति चौधरी, डॉ जय दुतकामड़ी, डोलचंद पटेल, समीर पटेल, परमेश्वर सेन, रूपचंद साहू, रेखा सिंह व मितानिन कार्यक्रम से माधुरी पंडा इत्यादि उपस्थित रहे।

कॉलेज में व्याख्यान 28 को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद विज्ञान भवन रायपुर के तत्वावधान में शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय के विज्ञान संकाय द्वारा 28 अप्रैल 2026 मंगलवार को एक दिवसीय व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम विशेष रूप से विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, शोध अभिरुचि एवं नवीनतम ज्ञान के प्रति जागरूकता विकसित करना है।

कार्यक्रम में तीन प्रमुख विषयों बेसिक साइंस, एनवायरमेंटल साइंस एवं स्पेस साइंस पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किए जाएंगे। बेसिक साइंस विषय पर मुख्य वक्ता डॉ. कृतिका जे नामदेव (सहायक प्राध्यापक, वनस्पति शास्त्र, शासकीय नागार्जुन स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय रायपुर) मूलभूत वैज्ञानिक सिद्धांतों को सरल एवं व्यावहारिक रूप में प्रस्तुत करेंगी। एनवायरमेंटल साइंस पर डॉ. शम्स परवेज़ (प्रोफेसर, रसायन शास्त्र, रविशंकर शुक्ल विवि रायपुर) पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास पर अपने विचार साझा करेंगे। वहीं स्पेस साइंस विषय पर डॉ. एनके चक्रधारी (एसोसिएट प्रोफेसर, भौतिक शास्त्र, रविशंकर शुक्ल विवि रायपुर) अंतरिक्ष विज्ञान के नवीन आयामों से विद्यार्थियों को अवगत कराएंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रोफेसर करुणा दुबे द्वारा की जाएगी। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. ईपी चेलक एवं सहायक समन्वयक मनीराम धीवर के मार्गदर्शन में आयोजन की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। प्रत्येक व्याख्यान एक घंटे का होगा। जिससे विद्यार्थियों को विषयों की गहन समझ प्राप्त होगी। विशेष सूचना के अनुसार इस कार्यक्रम में केवल विज्ञान संकाय के सीमित विद्यार्थियों का ही पंजीयन किया जाएगा। जिन विद्यार्थियों द्वारा पूर्व में पंजीयन कराया जाएगा, उन्हें ही कार्यक्रम में सम्मिलित होने की अनुमति प्रदान की जाएगी। इच्छुक विद्यार्थी संबंधित प्रभारी के पास शीघ्र अपना पंजीयन सुनिश्चित कराएं। महाविद्यालय परिवार ने सभी विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों से इस ज्ञानवर्धक कार्यक्रम में सहभागिता कर अपने वैज्ञानिक दृष्टिकोण को सशक्त बनाने का आग्रह किया है।

जनगणना के प्रति जनजागरुकता के लिए विशेष ग्रामसभा का आयोजन

महासमुंद। जिले के ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर ग्रामीण जनगणना चार्ज अधिकारी एवं तहसीलदार महासमुंद जुगल किशोर पटेल द्वारा ग्राम अछरीडीह में उपस्थित होकर जनगणना 2027 कार्यक्रम के तहत ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधियों को जानकारी प्रदान किया गया। साथ ही डिजिटल जनगणना एवं स्वगणना का महत्व बताया गया। स्वगणना करने के लिए अधिक से अधिक लोगों को प्रेरित करने एवं प्रचार प्रसार करने के लिए भी कहा गया। उल्लेखनीय है कि जनगणना का प्रथम चरण का कार्य 01 मई से प्रारंभ होकर 30 मई तक चलेगा। जिसमें प्रगणक, घर-घर जाकर मोबाईल से मकान सूचीकरण का कार्य करेंगे। आम नागरिक अपनी गणना स्वयं ऑनलाइन कर सकते हैं, इसके लिए 16 से 30 अप्रैल तक यह स्व

गणना का कार्य जारी है। इस कार्य के जन जागरूकता के तहत विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

महासमुंद। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग स्थापित करने के लिए इच्छुक व्यक्तियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। महाप्रबंधक जिला व्यापार एव उद्योग केंद्र ने बताया कि इस योजना के तहत राइस मिल, दाल मिल, आटा, बेसन, मैदा निर्माण, मसाला, बेकरी उत्पाद, दूध एवं दुग्ध उत्पाद, पापड़-बड़ी, नमकीन-मिक्चर, अचार, सॉस, जैम, जेली, गुड़, चॉकलेट, कन्फेक्शनरी, मिठाई उत्पाद, आइसक्रीम, पशु आहार, मछली आहार, मशरूम उत्पाद, मुर्गी आहार, चटनी, जूस, साबुदाना, घी, पोहा निर्माण, लहसुन-प्याज एवं अदरक पेस्ट, पेठा, तिलकुट सहित अन्य खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित की जा सकती हैं। योजना अंतर्गत सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के लिए नवीन इकाई की स्थापना के साथ-साथ पूर्व में स्थापित इकाइयों के विस्तार एवं अपग्रेडेशन भी पात्र होंगे। व्यक्तिगत सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को मान्य परियोजना लागत का 35 प्रतिशत की दर से क्रेडिट लिंक्ड पूंजीगत अनुदान प्रदान किया जाएगा, जिसकी अधिकतम सीमा 10 लाख रुपए होगी। योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक की न्यूनतम आयु 18 वर्ष निर्धारित की गई है। लाभार्थी को परियोजना लागत का न्यूनतम 10 प्रतिशत अंशदान स्वयं करना होगा, जबकि शेष राशि बैंक ऋण के माध्यम से प्राप्त की जाएगी। इकाई स्थापित करने के इच्छुक व्यक्ति योजना की वेबसाइट **https://pmfme.mofpi.gov.in/pmfme/#/login** पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

विशेष ग्राम सभा में जनगणना संबंधित जागरुकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

महासमुंद। भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण) का कार्य वर्तमान में प्रगति पर है। अभी स्वगणना की प्रक्रिया जारी है तथा आगामी 01 मई 2026 से मकान सूचीकरण का कार्य भी प्रारंभ किया जाएगा। इसी कड़ी में 24 अप्रैल 2026 को तहसील सरायपाली के अंतर्गत सभी ग्रामों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार प्रत्येक ग्राम पंचायत में जनगणना सुपरवाइजरों द्वारा आगामी जनगणना के लिए स्वगणना की प्रक्रिया का विस्तृत वर्णन किया गया तथा समस्त प्रक्रिया बताई गई। विभिन्न ग्रामों में जनगणना पर्यवेक्षकों द्वारा आगामी मकान सूचीकरण चरण के सभी 33 प्रश्नों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई तथा सभी ग्रामवासियों को जनगणना कार्य में सहयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। तहसीलदार सरायपाली एवं चार्ज जनगणना अधिकारी धर पंडा ग्राम पंचायत घाटकछार में ग्राम सभा में सम्मिलित रहे तथा उनके द्वारा उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित किया गया।

अन्याय के खिलाफ एकजुट हुई मातृशक्तिः हुलसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

जनपद उपाध्यक्ष हुलसी चंद्राकर ने कहा कि रायपुर की सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब केवल एक विरोध प्रदर्शन नहीं था, बल्कि यह देश की जागरूक होती नारीशक्ति का स्पष्ट प्रतीक था। जन आक्रोश महिला पदयात्रा ने यह साबित कर दिया कि अब महिलाएं केवल दर्शक नहीं, बल्कि अपने अधिकारों के लिए निर्णायक भूमिका निभाने को तैयार हैं। इस पदयात्रा में शामिल महिलाओं ने जिस एकजुटता और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया, वह अभूतपूर्व है। उनके स्वर में आक्रोश भी था और अधिकारों के प्रति जागरूकता भी। यह आक्रोश किसी एक घटना तक सीमित नहीं, बल्कि उस सोच के

खिलाफ है जो लंबे समय से महिलाओं की आवाज़ को दबाने की कोशिश करती रही है। कार्यक्रम में संगठनात्मक स्तर पर भी व्यापक भागीदारी देखने को मिली। महासमुंद क्षेत्र के तीन प्रमुख मंडलों महासमुंद ग्रामीण मंडल, तुमगांव मंडल और सिरपुर मंडल की सक्रिय उपस्थिति ने इस आंदोलन को और अधिक मजबूती दी। इन तीनों मंडलों के प्रभारी के रूप में जनपद उपाध्यक्ष हुलसी चंद्राकर ने सैकड़ों महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं के साथ इस पदयात्रा में सहभागिता की। उनकी नेतृत्व क्षमता और संगठनात्मक समन्वय ने इस जनआंदोलन को प्रभावी और सुव्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शंकराचार्य ने अद्वैत के माध्यम से दिया समानता का संदेशः महंत चिंतामणि

गोस्वामी समाज ने शंकराचार्य प्राकट्य उत्सव पर निकाली शोभायात्रा, महासमुंद के 11 पुजारियों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

महादेव घाट रायपुर में राज्य स्तरीय आदि गुरु शंकराचार्य की जयंती समारोह भव्यता और श्रद्धा के साथ हुआ। कार्यक्रम का प्रारंभ प्रदेशभर के बंधुओं और मातृशक्तियों की विशाल शोभायात्रा के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महंत चिंतामणि गिरि ने कहा कि शंकराचार्य ने जिस भारत की कल्पना की थी, वह भौगोलिक, सांस्कृतिक और सामाजिक रूप से एक अखंड इकाई था। उन्होंने भारत के चारों दिशाओं में चार मठों की स्थापना की, जो केवल धार्मिक केंद्र ही नहीं थे, बल्कि राष्ट्रीय एकता की धुरी थे। जब समाज जातिगत संकीर्णताओं में जकड़ा हुआ था, तब शंकराचार्य ने अद्वैत के माध्यम से मानवीय समानता का संदेश दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए समाज के प्रांताध्यक्ष काशीपुरी कुंदन ने कहा कि आदि गुरु शंकराचार्य का जीवन दर्शन हमें अद्वैत का मार्ग दिखाता है। आज महादेव घाट पर समाज की यह उपस्थिति यह सिद्ध करती है कि हम अपने गौरवशाली इतिहास और पूर्वजों के मूल्यों को पुनर्जीवित करने के लिए संकल्पबद्ध हैं। इस अवसर पर कथा वाचिका रेणुका गोस्वामी ने शिव महात्म्य प्रस्तुत करते हुए कहा कि आदि गुरु

शंकराचार्य का अद्वैत दर्शन और शिव का कल्याणकारी स्वरूप, ये दोनों ही हमारे समाज की असली शक्ति हैं। अति विशिष्ट अतिथि संस्थापक एवं नीति निर्धारण समिति के सदस्य रमन गिरि एवं ओंकार पुरी मंचस्थ थे। विशेष अतिथि समाज के संरक्षक उमेश भारती गोस्वामी, अशोक गिरि एवं भगवताचार्य सुरेंद्र गिरि थे। कार्यक्रम में सनातन संस्कृति के संवाहक प्रदेशभर से आए 64 पुजारियों का भगवा अंग वस्त्र, श्रीफल और सम्मान पत्र भेंट कर अलंकृत किया गया। जिसमें महासमुंद के 11 पुजारी दलदली मंदिर के सुनील गिरि, सिद्ध बाबा कोसरंगी के राजेंद्र बन सहित भीम गिरि, लाला पुरी, संतोष गिरि, चुनेश्वर पुरी, टिकेश्वर पुरी, मयंक पुरी, राजेंद्र गिरि, चंदन पुरी, चोला पुरी का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में समाज की मेधावी प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन महासचिव उमेश गिरि और तरूण पुरी तथा आभार प्रदर्शन रायपुर जिलाध्यक्ष बद्री पुरी ने किया। अंत में उपस्थित श्रद्धालुओं को अभिमंत्रित रुद्राक्ष का वितरण किया गया। महासमुंद जिला अध्यक्ष तोषण गिरि के नेतृत्व में रामेंद्र गिरि, विजय पुरी शंकर पुरी, तरुण पुरी, राजेंद्र बन सहित धर्मगुरुओं और समाज के वरिष्ठजनों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में संजय पुरी, पोखराज बन, वीरेंद्र रमन गिरि, पप्पू जनार्दन, शारदा गोस्वामी, अनुपमा गोस्वामी सहित आयोजन समिति रायपुर का प्रमुख योगदान रहा।